3 जब मैं पढ़ता था

पाठ का नाम	जब मैं पढ़ता था
कालांश संख्या	6–8
शिक्षण प्रक्रिया	Teacher Led
पाठ का उद्देश्य	अनुशासन, स्वास्थ्य, शिष्टता, कृतज्ञता जैसे मूल्यों का विकास, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन करवाना, सुंदर लिखावट पर बल देना, चर्चा द्वारा वाचन श्रवण कौशल का विकास, सर्वनाम व अनेकार्थी शब्दों का परिचय करवाना, विलोम व लिंग संबंधी जानकारी देना, घटना वर्णन व अनुच्छेद लेखन करवाना, किसी विषय पर चर्चा करने व सचित्र प्रजेंटेशन बनाने के लिए प्रेरित करना।
पाठ में आनेवाले विषय	विलोम, लिंग, अनेकार्थी, सर्वनाम, संस्मरण, सुलेख, चर्चा, प्रेज़ेंटेशन
शिक्षण सामग्री	Smart Board, पाठ्यपुस्तक, Animation, i-book, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल आदि।
मानक/अमानक शब्द	महत्वपूर्ण/महत्त्वपूर्ण, प्रसिद्ध/प्रसिद्ध
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल-पठन, वाचन	• पाठ प्रवेश में दी गई पंक्तियों पर चर्चा करें। • बच्चों से पूछें कि राष्ट्रपिता किसे कहते हैं, उन्होंने कौन-सा कार्य किया। • पाठ का स्पष्ट व अनुकरणात्मक वाचन करवाएँ। • पाठ के श्रवण-वाचन के लिए Animation और i-book की सहायता लें। • कठिन शब्दों के अर्थ पूछें और बताएँ। • पाठ को सरल अर्थों में समझाएँ तथा इसके मूल भावों से अवगत करवाएँ। • पाठ से मिलनेवाली सीख के बारे में जानें व बताएँ।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• 'माइंड मैप' द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • अभ्यास खंड में 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण करवाएँ। • 'बताइए' और 'सोचिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्नों पर चर्चा करें और जानें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1, 2, 3 तथा 'व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों व विषय संवर्धन गतिविधियाँ-4 का हल पुस्तक में ही करवाएँ। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न संख्या 4 और 5 का हल कॉपियों में करवाएँ और 'विषय संवंर्धन गतिविधियाँ' के अंतर्गत आई गतिविधियों का हल मौखिक तथा लिखित रूप में करवाएँ। बच्चों को दो समूह में बाँटकर 'क्या होता यदि' के अंतर्गत दिए गए बिंदु पर सामूहिक चर्चा करवाकर उनके विचार प्रस्तुत करवाएँ।
अंत कौशल— लेखन, वाचन	Websupport से Worksheet लें और बच्चों से हल करवाएँ। Worksheet की अदला-बदली करवाकर बच्चों से सहपाठियों की Worksheet जँचवाएँ, फिर उन्हें आप जाँचें।
शिक्षण संप्राप्तियाँ	बच्चे अनुशासित व शिष्ट बनेंगे, सुलेख पर ध्यान देंगे, समय का महत्व समझेंगे, शुद्ध उच्चारण करेंगे, अपनी बात तर्कों के साथ प्रस्तुत करेंगे, सर्वनाम व अनेकार्थी शब्दों का सही प्रयोग करेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ का सार

इस आत्मकथांश में गांधी जी ने अच्छे अक्षर, व्यायाम का महत्व बताया है। उनके अनुसार वे मंदबुद्धि विद्यार्थी नहीं थे। वे अपने आचरण पर विशेष ध्यान देते थे। उनके विद्यालय में क्रिकेट और व्यायाम को अनिवार्य कर दिया था लेकिन वे इनसे जी चुराते थे बड़े होकर उन्होंने जाना कि व्यायाम स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीकी नवयुवकों के अच्छे अक्षर देखकर उन्होंने समझा कि अच्छे अक्षर सीखने के लिए चित्रकला आवश्यक है। उनका मानना था कि बच्चों के पाठ्यक्रम में हिंदी, संस्कृत, फ़ारसी आदि भाषाओं को शामिल करना चाहिए। भाषा पद्धतिपूर्वक सिखाना चाहिए।

बोध

- **गांधी जी की माँ का नाम क्या था?**

उ. गांधी जी की माँ का नाम पुतलीबाई था।

- **क्या अधूरी शिक्षा की निशानी मानी जाती है?**

उ. खराब अक्षर अधूरी शिक्षा की निशानी मानी जाती है।

- **गांधी जी ने संस्कृत किससे सीखी?**

उ. गांधी जी ने अपने विद्यालय के संस्कृत शिक्षक कृष्णशंकर मास्टर से संस्कृत सीखी।

- **किसी भी विषय को किस भाषा में सीखने का बोझ नहीं होना चाहिए?**

उ. किसी भी विषय को अंग्रेजी भाषा में सीखने का बोझ नहीं होना चाहिए।

अभ्यास

बोलिए

1. पढ़िए

उ. दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।

2. बताइए

क. गांधी जी के पिता का स्वभाव कैसा था?

उ. गांधी जी के पिता जी सत्यप्रिय, साहसी और उदार थे।

ख. विद्यार्थी के रूप में गांधी जी का आचरण कैसा था?

उ. विद्यार्थी के रूप में गांधी जी को अपने आचरण की चिंता रहती थी। वे ऐसा कोई काम नहीं करते थे कि शिक्षक उन्हें दंड दें।

ग. विलायत जाने तक कौन-सा विचार गांधी जी के मन में बना रहा?

उ. विलायत जाने तक गांधी जी के मन में यह विचार बना रहा कि पढ़ाई में सुंदर लेखन जरूरी नहीं है।

3. सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न

✧ आप अपने आचरण को सुधारने के लिए गांधी जी की किन बातों को अपनाएँगे?

उ. मैं अपने आचरण को सुधारने के लिए गांधी जी के गुणों को अपनाऊँगा। कभी घमंड नहीं करूँगा, सदा अपने आचरण को अच्छा रखूँगा। अपने अध्यापकों का सम्मान करूँगा। (उदाहरण के अनुसार छात्र अपने-अपने विचार रखें।)

Scanned with OKEN Scanner

लिखिए

1. **उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—**

   स्वास्थ्य, इनाम, आचरण, चार बजे

   क. अपने ···आचरण··· की मुझे चिंता रहती थी।
   ख. खुली हवा में घूमना ···स्वास्थ्य··· के लिए लाभकारी होता है।
   ग. एक शनिवार को शाम ···चार बजे··· व्यायाम के लिए जाना था।
   घ. ···इनाम··· या छात्रवृत्ति पाने पर मुझे आश्चर्य होता था।

2. **पंक्तियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

   हमारे मुख्याध्यापक ने .... बहुत ज़रूरी है।
   क. मुख्याध्यापक ने क्या अनिवार्य कर दिया था?
   उ. मुख्याध्यापक ने व्यायाम और क्रिकेट को अनिवार्य कर दिया था।
   ख. लेखक को किस गलती का अनुभव हुआ?
   उ. लेखक को व्यायाम के प्रति अरुचि की गलती का अनुभव हुआ।
   ग. पढ़ने के साथ-साथ क्या ज़रूरी है?
   उ. पढ़ने के साथ-साथ व्यायाम भी ज़रूरी है।
   घ. पंक्तियों में आए संयुक्त व्यंजनवाले शब्द चुनकर लिखिए—
   उ. मुख्याध्यापक, कक्षा, व्यायाम।

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

   क. गांधी जी का जन्म कब और कहाँ हुआ?
   उ. गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ।
   ख. कृष्णशंकर कौन थे?
   उ. कृष्णशंकर संस्कृत के शिक्षक थे।
   ग. संस्कृत के शिक्षक और फ़ारसी के शिक्षक में क्या अंतर था?
   उ. संस्कृत के शिक्षक कड़े मिज़ाज़ के थे जबकि फ़ारसी के शिक्षक नरम दिल के थे।
   घ. मातृभाषा के अतिरिक्त और कौन-सी भाषाएँ हमें जाननी चाहिए?
   उ. मातृभाषा के अतिरिक्त हिंदी, संस्कृत, फ़ारसी, अरबी और अंग्रेज़ी भाषाएँ जाननी चाहिए।

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

   क. गांधी जी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
   उ. गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबंदर (गुजरात) में हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माता का नाम पुतलीबाई था। उन्होंने जीवनभर देश की सेवा की। उन्हें राष्ट्रपिता भी कहा जाता है।
   ख. बालकों को चित्रकला क्यों सिखानी चाहिए?
   उ. चित्रकला से अक्षर सुंदर बनते हैं। जिस तरह पक्षियों, वस्तुओं आदि को देखकर बालक उन्हें याद रखता है और आसानी से पहचानता है, उसी तरह जब चित्रकला सीखकर चित्र बनाने लगे तभी अक्षर पहचानना और लिखना सीखे तो अक्षर भी सुंदर बनेंगे। इसलिए बालकों को चित्रकला सिखाना चाहिए।
   ग. गांधी जी कृष्णशंकर मास्टर का उपकार क्यों मानते हैं?
   उ. गांधी जी कृष्णशंकर मास्टर का उपकार इसलिए मानते थे क्योंकि उन्होंने गांधी जी को संस्कृत भाषा का ज्ञान कराया जिससे वे संस्कृत शास्त्रों का रस ले पाए।

Scanned with OKEN Scanner

घ. भाषा किस प्रकार सीखी जा सकती है?

उ. भाषा पद्धतिपूर्वक सीखी जा सकती है। जब एक भाषा शास्त्रीय पद्धतिपूर्वक सीख ली जाती है तो उसके लिए दूसरी भाषा का ज्ञान सुलभ हो जाता है।

ङ. पढ़ने के साथ-साथ व्यायाम करना क्यों ज़रूरी है? अपने विचार लिखिए।

उ. एक जगह बैठे रहने से शरीर का विकास रुक जाता है। शरीर के विकास के लिए व्यायाम ज़रूरी होता है। व्यायाम करने से जहाँ एक ओर शरीर स्वस्थ रहता है वहाँ दूसरी ओर मन प्रसन्न होता है। शरीर में सकरात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए पढ़ने के साथ-साथ व्यायाम करना भी ज़रूरी होता है।

5. आशय स्पष्ट कीजिए—

क. पका घड़ा कहाँ चाक पर चढ़ता है।

उ. कच्ची मिट्टी को चाक पर चढ़ाकर कोई भी आकार दिया जा सकता है परंतु घड़े के रूप में जब मिट्टी पक जाती है तो उसका आकार अपना स्थाई रूप ग्रहण कर लेता है उसे बदला नहीं जा सकता। इसी प्रकार कम उम्र के गुणों, स्वभाव व आदतों में आसानी से बदलाव लाया जा सकता है जबकि बड़ी उम्र के लोगों में बदलाव लाना मुश्किल होता है।

ख. सच बोलनेवाले को कभी भी असावधान नहीं रहना चाहिए।

उ. बिना गलती किए और सच बोलने पर भी सज़ा पाने पर अधिक दुख होता है। इसलिए हमेशा सावधान रहकर अपना काम करना चाहिए। किसी को ऐसा अवसर नहीं देना चाहिए कि सच बताने पर और बिना गलती के आपको सज़ा दे पाए।

समझिए व्याकरण संबोध

1. 'अ' जोड़कर विलोम शब्द बनाइए—

रुचि	×	अरुचि	क्षर	×	अक्षर
सावधान	×	असावधान	सहनीय	×	असहनीय
सत्य	×	असत्य	न्याय	×	अन्याय

2. लिंग बदलिए—

माता	—	पिता	नवयुवक	—	नवयुवती
मुख्याध्यापक	—	मुख्याध्यापिका	शिक्षक	—	शिक्षिका

3. कुछ शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, ये **अनेकार्थी** कहलाते हैं।

शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ—

रस	आनंद	प्रेमचंद की कहानियों में बड़ा रस है।
	फलों का रस	मैंने एक गिलास संतरे का रस पिया है।
घड़ी	समय देखने का यंत्र	घड़ी में नौ बजे हैं।
	समय	अंतिम घड़ी में गांधी जी के मुँह से 'हे राम' निकला।
पात्र	बरतन	मंदिर में दान-पात्र रखा है।
	नाटक के पात्र	नाटक के सभी पात्र अच्छे हैं।

4. वाक्यों में आए सर्वनाम शब्द चुनकर लिखिए—

क. वे राजकोट के दीवान थे।	वे
ख. मैंने पुस्तकों में पढ़ा था।	मैंने
ग. उसे संदेश मिला।	उसे
घ. उनका स्वभाव बहुत अच्छा था।	उनका

Scanned with OKEN Scanner

4 फूलों का नगर

पाठ का नाम	फूलों का नगर
कालांश संख्या	6-8
शिक्षण प्रक्रिया	Teacher Led
पाठ का उद्देश्य	प्रेम, करुणा, दया, आज्ञापालन, वचनपालन, सहयोग, परिचर्या जैसे मूल्यों का विकास करवाना, वृक्षों की उपयोगिता बताना, पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पठन, विशेषण व समूहवाची शब्दों का परिचय, र के विभिन्न रूपों का अभ्यास करवाना, वृक्षारोपण के लाभ व आश्रम व्यवस्था की जानकारी देना, कहानी व स्लोगन लेखन तथा पोस्टर रचना करने के लिए प्रेरित करना।
पाठ में आनेवाले विषय	समूहवाची, 'र' के रूप, विशेषण, पोस्टर, स्लोगन, विचार, अभिव्यक्ति, जानकारी, कहानी-लेखन
शिक्षण सामग्री	Smart Board, पाठ्यपुस्तक, Animation, i-book, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल आदि।
मानक/अमानक शब्द	अनिरुद्ध/अनिरुद्ध, मिट्टी/मिट्टी
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल-पठन, वाचन	• पाठ प्रवेश में दिए गए बिंदु पर चर्चा करवाएँ। • बच्चों को अपने कक्षा अध्यापिका/अध्यापक या प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या के बारे में चार-पाँच बातें बताने के लिए कहें। फिर उसे गुरुकुल पद्धति के बारे में समझाएँ। • पाठ का स्पष्ट व अनुकरणात्मक वाचन करवाएँ। • पाठ के श्रवण-वाचन के लिए Animation और i-book की सहायता लें। • कठिन शब्दों व मुहावरों के अर्थ पूछें और बताएँ। • कहानी को सरल अर्थों में समझाएँ तथा इसके मूल भावों से अवगत करवाएँ। • पाठ से मिलनेवाली सीख के बारे में जानें व बताएँ।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• 'माइंड मैप' द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • अभ्यास खंड में 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण करवाएँ। • 'बताइए' और 'सोचिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्नों पर चर्चा करें और जानें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1, 2, 3 तथा 'व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों का हल पुस्तक में ही करवाएँ। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न संख्या 4 का हल कॉपियों में करवाएँ और 'विषय संवर्धन गतिविधियाँ' के अंतर्गत आई गतिविधियों का हल मौखिक व लिखित रूप में करवाएँ। बच्चों को दो समूह में बाँटकर 'क्या होता यदि' के अंतर्गत दिए गए बिंदु पर सामूहिक चर्चा करवाकर उनके विचार प्रस्तुत करवाएँ।
अंत कौशल— लेखन, वाचन	Websupport से Worksheet लें और बच्चों से हल करवाएँ। Worksheet की अदला-बदली करवाकर बच्चों से सहपाठियों की Worksheet जँचवाएँ, फिर उन्हें आप जाँचें।
शिक्षण संप्राप्तियाँ	बच्चे बड़ों की बात मानेंगे, वृक्षारोपण करेंगे, शुद्ध उच्चारण करेंगे, परिचर्या कर पाएँगे, विशेषण व समूहवाची शब्दों का सही प्रयोग करेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ का सार

इस कहानी में पेड़-पौधों का महत्व बताया गया है। गुरु वेदांत के गुरुकुल में अनिरुद्ध और अमृत नाम के दो राजकुमार शिक्षा प्राप्त करने आए। शिक्षा पूरी करने पर गुरु जी ने अहिंसा का मार्ग अपनाने और प्रकृति की रक्षा करने की सीख दी। अनिरुद्ध ने राजा बनते ही पेड़ कटवाकर नगर बसाए जबकि अमृत ने अपने राज्य में शिकार पर रोक लगा दी और खूब पेड़ लगवाए। राजा अनिरुद्ध के राज्य में अकाल पड़ गया। एक दिन उसने राजा अमृत के राज्य पर हमला कर दिया। राजा अमृत का राज्य फूलों से लदा था। अनिरुद्ध उसकी सुंदरता देखते ही रह गया। इधर राजा अमृत ने अपनी सूझ-बूझ से बिना युद्ध किए ही अनिरुद्ध को हरा दिया, फिर घायल अनिरुद्ध के साथ मित्रवत व्यवहार किया। राजा अनिरुद्ध को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने राजा अमृत से वादा किया कि वह भी अपने राज्य को 'फूलों का नगर' बनाएगा।

बोध

- **गुरु वेदांत के गुरुकुल में कौन शिक्षा प्राप्त करने आते थे?**

उ. गुरु वेदांत के गुरुकुल में राजकुमार शिक्षा प्राप्त करने आते थे।

- **किसने अमृत के राज्य पर आक्रमण करने की योजना बनाई?**

उ. अनिरुद्ध ने अमृत के राज्य पर आक्रमण करने की योजना बनाई।

- **अनिरुद्ध के सैनिकों पर किसने धावा बोल दिया?**

उ. अनिरुद्ध के सैनिकों पर मधुमक्खियों के झुंड ने धावा बोल दिया।

- **अमृत ने हमेशा किसकी बातों पर अमल किया?**

उ. अमृत ने हमेशा अपने गुरुजी की बातों पर अमल किया।

- **अनिरुद्ध अमृत की किन बातों से हैरान रह गया?**

उ. अनिरुद्ध अमृत की दूरदर्शिता और सूझ-बूझ देखकर हैरान रह गया।

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए**

उ. दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।

2. **बताइए**

क. गुरु जी अपने शिष्यों के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

उ. गुरु वेदांत अपने शिष्यों को समान रूप से प्रेम करते थे। उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं करते थे।

ख. अमृत के नगर के बारे में बताइए।

उ. अमृत के नगर में चारों ओर हरियाली थी, सुंदर फूल खिले होते थे, फूलों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराया करती थीं। चारों ओर मनोरम दृश्य दिखाई देता था।

ग. अनिरुद्ध अमृत के महल में कैसे पहुँचा?

उ. अनिरुद्ध घोड़े से गिर गया था, चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गया था। उसकी देखभाल करने के लिए अमृत उसे अपने महल में ले आया था।

Scanned with OKEN Scanner

3. सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न

◇ आप प्राचीन समय के गुरुकुल और आज के विद्यालयों में क्या अंतर पाते हैं?

उ. प्राचीन समय के गुरुकुल पूर्णतया आवासीय होते थे। वे 8-10 वर्ष की अवस्था से शिक्षा पूर्ण होने तक गुरु के निकट रहकर ही पढ़ाई करते थे। वे अपना कार्य स्वयं करते थे यहाँ तक भोजन की सामग्री भी वह खेती या भिक्षाटन से प्राप्त करते। वे अपने उपयोग की सामग्री का निर्माण भी स्वयं करते थे जबकि वर्तमान शिक्षा प्रणाली उससे बिलकुल भिन्न है। बच्चे अपने-अपने घरों में रहते हैं और विद्याध्ययन के लिए प्रतिदिन विद्यालय जाते हैं। एक निश्चित समय बाद वापस लौट आते हैं। उनकी आवश्यकता की सभी सामग्री उनके माता-पिता उपलब्ध करवाते हैं। यहाँ तक कि अध्ययन या पढ़ाई के लिए अतिरिक्त पुस्तकें व शिक्षक भी उपलब्ध करवाते हैं।

लिखिए

1. **पाठ के आधार पर वाक्य ठीक करके लिखिए—**

क. गुरु जी ने कहा— हिंसा का मार्ग अपनाना और नगर बसाना।

उ. गुरु जी ने कहा— अहिंसा का मार्ग अपनाना और सदा प्रकृति की रक्षा करना।

ख. अमृत ने राजा बनते ही शिकार करना शुरू कर दिया।

उ. अनिरुद्ध ने राजा बनते ही शिकार करना शुरू कर दिया।

ग. अनिरुद्ध के सैनिकों पर साँपों ने धावा बोल दिया।

उ. अनिरुद्ध के सैनिकों पर मधुमक्खियों ने धावा बोल दिया।

2. **किसने, किससे कहा—**

	किसने कहा	किससे कहा
क. मैं तुम दोनों से बहुत प्रसन्न हूँ।	···गुरु वेदांत ने···	···अमृत और अनिरुद्ध से···
ख. अगर हम युद्ध नहीं करेंगे तो वह हम सबको बंदी बना लेगा।	···महामंत्री ने···	···अमृत से···
ग. अहिंसा ही मेरा धर्म है।	···अमृत ने···	···अनिरुद्ध से···

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. अमृत और अनिरुद्ध के गुरु जी कौन थे?
उ. अमृत और अनिरुद्ध के गुरु जी वेदांत थे।

ख. किसने अपने राज्य में पेड़ लगवाए?
उ. अमृत ने अपने राज्य में पेड़ लगवाए।

ग. अनिरुद्ध ने 'फूलों का नगर' किसे कहा?
उ. अनिरुद्ध ने 'फूलों का नगर' अमृत के नगर को कहा।

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. गुरु जी ने दोनों राजकुमारों को क्या सीख दी?

उ. गुरु जी ने दोनों राजकुमारों को सीख दी कि अहिंसा का मार्ग अपनाना तथा सदा प्रकृति की रक्षा करना।

ख. अनिरुद्ध के राज्य में सूखा क्यों पड़ने लगा?

उ. अनिरुद्ध ने राजा बनते ही शिकार खेलना शुरू कर दिया। हरे-भरे वृक्ष कटवाकर अनेक नगर बसाए। उसके राज्य में गिने-चुने पेड़ ही बाकी रह गए, इस वजह से पर्यावरण असंतुलित हो गया और सूखा पड़ने लगा।

ग. अमृत ने दुश्मनों को भगाने के लिए क्या योजना बनाई?

उ. अमृत ने दुश्मनों को भगाने के लिए उन पर मधुमक्खियों से हमला करवाने की योजना बनाई।

घ. कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उ. इस कहानी में पेड़-पौधों का महत्व बताया गया है। गुरु वेदांत के गुरु में अनिरुद्ध और अमृत नाम के दो राजकुमार शिक्षा प्राप्त करने आए। शिक्षा पूरी करने पर गुरु जी ने अहिंसा का मार्ग अपनाने और प्रकृति की रक्षा करने की सीख दी। अनिरुद्ध ने राजा बनते ही पेड़ कटवाकर नगर बसाए जबकि अमृत ने अपने राज्य में शिकार पर रोक लगा दी और खूब पेड़ लगवाए। राजा अनिरुद्ध के राज्य में अकाल पड़ गया। एक दिन उसने राजा अमृत के राज्य पर हमला कर दिया। राजा अमृत का राज्य फूलों से लदा था। अनिरुद्ध उसकी सुंदरता देखते ही रह गया। इधर राजा अमृत ने अपनी सूझ-बूझ से बिना युद्ध किए ही अमृत को हरा दिया। फिर घायल अनिरुद्ध के साथ मित्रवत व्यवहार किया। राजा अनिरुद्ध को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने राजा अमृत से वादा किया कि वह भी अपने राज्य को 'फूलों का नगर' बनाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

ङ. "मैंने हमेशा गुरु जी की सीख पर अमल किया है।" इस कथन से अमृत के चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है?

उ. इस कथन से पता चलता है कि वह आज्ञाकारी शिष्य है। वह दूरदर्शी और बुद्धिमान है जो गुरु जी की सीख के फायदे को समझ सका।

समझिए व्याकरण संबोध

1. इनके लिए समूहवाची शब्द लिखिए—

मधुमक्खियों का — ...झुंड...	लकड़ियों का — ...गट्ठर...	फूलों का — ...गुच्छा...
सैनिकों की — ...टुकड़ी...	किताबों का — ...बंडल...	पर्वतों की — ...शृंखला...
अंगूरों का — ...गुच्छा...	लोगों की — ...भीड़...	

2. 'र' के रूपों के दो-दो शब्द लिखिए—

र	—	रात	...नगर...	...राजकुमार...
्र	—	प्रसन्न	...बेफ़िक्र...	...प्रकृति...
र्	—	सहर्ष	...धर्म...	...दूरदर्शिता...
्र	—	ट्रक	...ट्राम...	...ड्रम...

3. वाक्यों में आए विशेषण शब्दों पर ◯ लगाइए—

क. अनिरुद्ध ने (हरे-भरे) वृक्षों को कटवा दिया।

ख. फूलों पर (रंग-बिरंगी) तितलियाँ मँडराती थीं।

ग. महामंत्री ने (विनम्र) शब्दों में कहा।

घ. राज्य की सीमा में (हज़ारों) सैनिकों ने प्रवेश किया।

कीजिए विषय संवर्धन गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

1. छात्र स्वयं पोस्टर बनाएँ।

   स्लोगन— (i) पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ। (ii) पेड़ों से बढ़ती हरियाली, चारों ओर लाती खुशहाली।

2. छात्र स्वयं अपने विचार बताएँ। वे पेड़-पौधों से प्राप्त शुद्ध वायु, फल-फूल, जड़ी-बूटियों आदि के बारे में बता सकते हैं।

3. प्राचीन समय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आश्रम में गुरु के पास जाकर रहते थे। आश्रम में उनकी दिनचर्या अत्यंत कठोर होती थी। गुरुकुल में रहकर उसे वेदाध्ययन, अस्त्र-शस्त्र शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। शिक्षा पूरी होने पर ही अपने घर लौटते थे।

4. प्राचीन समय में एक राज्य था। वहाँ का राजा अपने नगर का विकास करना चहाता था। उसने राज्य के पेड़ों को कटवाकर नगर बसाना शुरु किया। धीरे-धीरे राज्य में कम बारिश होने लगी फिर अकाल पड़ने लगा। किसान बारिश का इंतज़ार करते रहते लेकिन बारिश नहीं होती थी। उन्होंने पूजा-पाठ आदि उपाय किए पर कोई फायदा न हुआ। फिर सबने मिलकर अपने घरों के आस-पास पेड़-पौधे लगाने शुरू किए। धीरे-धीरे वातावरण में बदलाव आया और बारिश होने लगी। किसानों ने फिर से खेती शुरू की और खुश होकर अपनी लहराती फ़सलें देखने लगे। जब राजा के पास यह खबर पहुँची तो उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। फिर सबने निश्चय किया कि वे अब खूब पेड़ लगाएँगे।

क्या होता यदि...

(Critical Thinking)

✧ अमृत घायल अनिरुद्ध को अपने महल नहीं ले जाता।

उ. अमृत घायल अनिरुद्ध को अपने महल नहीं ले जाता तो अनिरुद्ध की जान को खतरा हो सकता था। अगर अनिरुद्ध बच जाता तो वह और अमृत मित्र नहीं बनते।

Scanned with OKEN Scanner

3 शब्द

Word

वर्ण मिले तो शब्द बने, मिलने का है खेल।
सोच-समझकर बोलिए, वर्णों का यह मेल।

यहाँ बने चित्रों को देखो और उनके नीचे लिखे शब्द पढ़ो—

गिलास

खरगोश

ये शब्द वर्णों के मेल से बने हैं; जैसे—

- ग् + इ + ल् + आ + स् + अ = गिलास
- ख् + अ + र् + अ + ग् + ओ + श् + अ = खरगोश

इन दोनों ही शब्दों का अर्थ है और हम इनका मतलब समझते हैं। यदि हम इन शब्दों में वर्णों का स्थान बदल दें, तो शब्द बनेंगे—

- स् + अ + ल् + आ + ग् + इ = सलागि
- श् + अ + ग् + ओ + र् + अ + ख् + अ = शगोरख

इन दोनों ही शब्दों का कोई अर्थ नहीं है। शब्द का अर्थ होना आवश्यक है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं—

वर्णों के व्यवस्थित और सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शब्द के भेद

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं— 1. सार्थक शब्द 2. निरर्थक शब्द।

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] के ऐसे समूह जिनका अर्थ होता है, [illegible] कहलाते हैं; जैसे— बगीचा, घर, [illegible] पुस्तक आदि।

पुस्तक

घर

[illegible] शब्द— ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता, निरर्थक शब्द कहलाते हैं; जैसे— वाय, वाना, बगड़म आदि।

ध्वनिबोधक शब्द

सार्थक व निरर्थक शब्दों के अतिरिक्त कुछ ध्वनिबोधक (आवाज़) शब्द भी होते हैं, जो पशु-पक्षियों या कुछ जड़ (बेजान) पदार्थों की आवाज़ बताते हैं; जैसे—

	पशु-पक्षी	आवाज़		पदार्थ	आवाज़
	मेंढक	टर्र-टर्र		घड़ी	टिक-टिक
	तोता	टें-टें		बादल	गड़-गड़
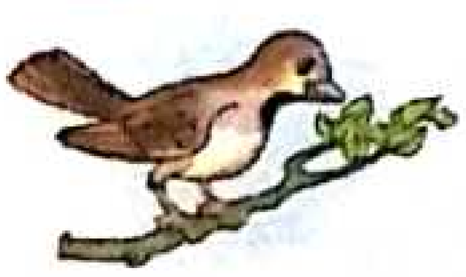	चिड़िया	चीं-चीं	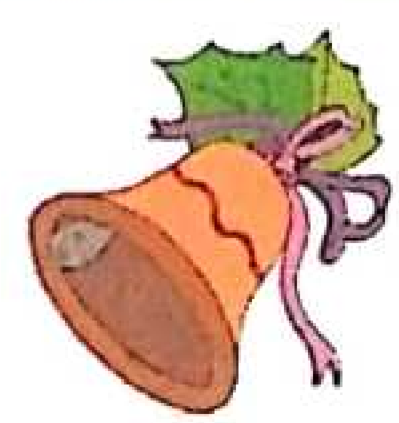	घंटी	टन-टन

यह भी जानो

किसी भाषा में प्रयोग हो रहे या हो सकने वाले शब्दों के समूह को उस भाषा का **शब्द-भंडार** कहते हैं।

हमने क्या जाना

- वर्णों के व्यवस्थित व सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
- शब्द दो प्रकार के होते हैं— सार्थक व निरर्थक।
- पशु-पक्षियों व जड़ पदार्थों की आवाज़ें ध्वनिबोधक शब्द कहलाती हैं।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

देखें, क्या जाना

1. शब्द किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित बताओ—

वर्णों के व्यवस्थित व सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

दो प्रकार के होते हैं। सार्थक चील - निरर्थक लची

2. नीचे दिए गए निरर्थक शब्दों से सार्थक शब्द बनाओ—

लीटेनफ़ो —	टेलीफ़ोन	तकस्पु —	पुस्तक
बताकि —	किताब	पड़ेक —	कपड़े
अलरीमा —	अलमारी	रहिन —	हिरन

3. मिलान करो— **(Decision Making)**

बादल	छुक-छुक
दरवाज़ा	गड़-गड़
हवा	टिक-टिक
घड़ी	टन-टन
घंटी	सांय-सांय
रेलगाड़ी	चर्र-चर्र

4. शब्द-लड़ी पूरी करो— *(Problem Solving)*

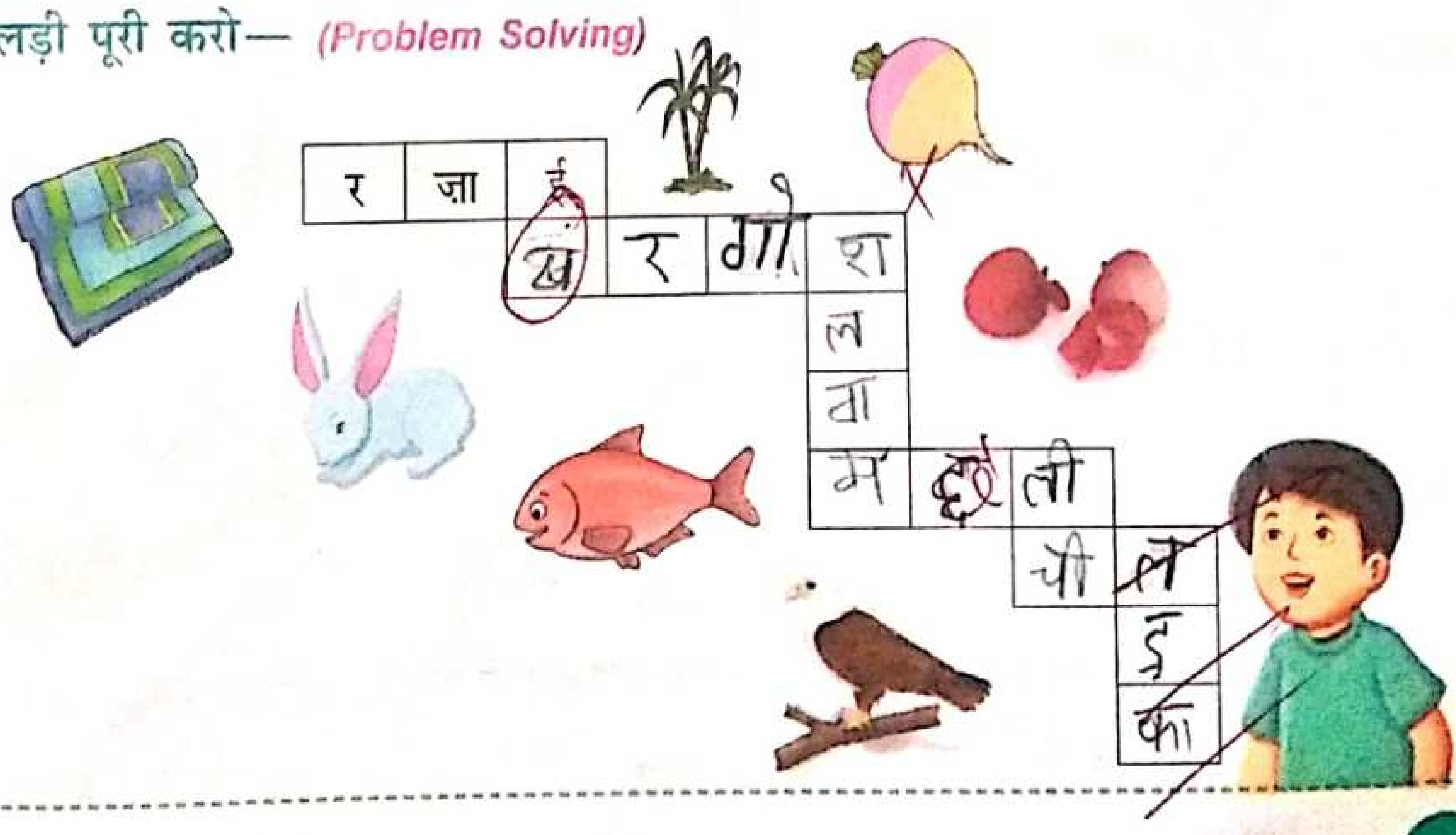

Scanned with OKEN Scanner

4 वाक्य

Sentence

CA-01
04-7-2025

अक्षर से मिलकर बनते शब्द, अर्थ एक बतलाते हैं।
शब्दों से मिलकर वाक्य बनें, तो पूरा अर्थ बताते हैं।

रचित रहा खेल है।

पढ़ा अध्यापक रहे हैं।

चित्रों के नीचे जो वाक्य लिखे हैं, क्या वे हमें सही और स्पष्ट लग रहे हैं? नहीं। अब नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए—

1. रचित खेल रहा है। 2. अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

इन दोनों वाक्यों में शब्दों को सही क्रम में लिखा गया है इसलिए ये दोनों ही संपूर्ण तथा स्पष्ट अर्थ दे रहे हैं; जैसे— पहले वाक्य में रचित खेलने का काम कर रहा है और दूसरे में अध्यापक पढ़ाने का। इस तरह हम कह सकते हैं कि सार्थक और स्पष्ट अर्थ बतानेवाले शब्द-समूह ही वाक्य कहलाते हैं।

शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।

वाक्य के अंग

वाक्य के दो अंग होते हैं—

1. उद्देश्य (Subject) 2. विधेय (Predicate)

उद्देश्य— वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

विधेय— वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़ो—

साक्षर	खाना खा रहा है।	आम	फलों का राजा है।
उद्देश्य	विधेय	उद्देश्य	विधेय

उपर्युक्त वाक्यों में 'साक्षर' और 'आम' उद्देश्य हैं क्योंकि उनके बारे में कुछ कहा जा रहा है। उनके बारे में जो कुछ कहा जा रहा है; जैसे— 'खाना खा रहा है' और 'फलों का राजा है' विधेय हैं।

यह भी जानो

रचना के अनुसार वाक्य तीन प्रकार के होते हैं— सरल, संयुक्त और मिश्रित वाक्य। इनके बारे में हम अगली कक्षा में पढ़ेंगे।

हमने क्या जाना

- शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।
- वाक्य के दो अंग होते हैं— उद्देश्य व विधेय।

अभ्यास

देखें, क्या जाना

1. नीचे दिए गए शब्द समूहों से सार्थक वाक्य बनाओ— *(Critical Thinking)*

क. खाता मैं खाना हूँ .... मैं खाना खाता हूँ।

ख. कल गया था बाज़ार वह .... वह कल बाजार गया था।

Scanned with OKEN Scanner

ग. रानी और नीता हैं सहेलियाँ ....

घ. पतंग आओ उड़ाएँ ....

ङ. मेरी है बीमार गुड़िया ....

2. उद्देश्य तथा विधेय अलग-अलग करो— *(Critical Thinking)*

	उद्देश्य	विधेय
क. गंगा एक पवित्र नदी है।	....	....
ख. दीपावली दीपों का त्योहार है।	....	....
ग. शेर जंगल का राजा है।	....	....
घ. दादा-दादी बूढ़े हो गए हैं।	....	....
ङ. मैं चौथी कक्षा में पढ़ता हूँ।	....	....

3. नीचे कुछ उद्देश्य दिए गए हैं। उनके आगे विधेय भरकर वाक्य पूरे करो—

क. पहाड़ बहुत ऊँचा है।

ख. लड़की ....

ग. चिड़िया ....

घ. चाय ....

4. नीचे दिए गए वाक्यों में उचित उद्देश्य भरो—

क. .... बहुत सुंदर थे।

ख. .... गाना गा रही है।

ग. .... गोल होती है।

घ. .... नाम राजन है।

5. दिए गए वाक्यों में उद्देश्य छाँटकर ✓ लगाओ— *(Decision Making)* *(MCQs)*

क. आकाश में उड़ते पंछी दूर तक जाते हैं।

(i) आकाश में ☐ (ii) आकाश में उड़ते ☐

(iii) आकाश में उड़ते पंछी ☐ (iv) उड़ते पंछी ☐

ख. बचेंद्री पाल एवरेस्ट पर पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला थी।

(i) एवरेस्ट पर ☐ (ii) बचेंद्री पाल ☐

(iii) पहुँचने वाली ☐ (iv) महिला थी ☐

Scanned with OKEN Scanner

ग. **बालक सवेरे-सवेरे उठकर पढ़ने गया।**

(i) सवेरे-सवेरे ☐ (ii) बालक सवेरे ☐
(iii) बालक सवेरे उठकर ☐ (iv) बालक ☑

घ. **विभा और सतपाल प्रिंसिपल रह चुके हैं।**

(i) विभा ☐ (ii) विभा और ☐
(iii) विभा और सतपाल ☑ (iv) प्रिंसिपल ☐

ङ. **दादी जी मंदिर गई हैं।**

(i) मंदिर ☐ (ii) गई हैं ☐
(iii) दादी जी ☑ (iv) दादी जी मंदिर ☐

6. दिए गए वाक्यों में विधेय छाँटकर ✓ लगाओ— *(MCQs)*

क. **किताबें मेज़ पर रखनी चाहिए।**

(i) किताबें ☐ (ii) मेज़ ☐
(iii) रखनी चाहिए ☐ (iv) मेज़ पर रखनी चाहिए ☑

ख. **लड़कियाँ हॉकी खेल रही हैं।**

(i) लड़कियाँ ☐ (ii) हॉकी ☐
(iii) हॉकी खेल रही हैं ☑ (iv) खेल रही हैं ☐

ग. **चंद्रशेखर ने रामन-प्रभाव की खोज की।**

(i) चंद्रशेखर ☐ (ii) चंद्रशेखर ने ☐
(iii) रामन-प्रभाव ☐ (iv) रामन-प्रभाव की खोज की ☑

घ. **आजकल अधिकतर छात्र रट्टू तोते की तरह रटते हैं।**

(i) रट्टू तोते ☐ (ii) रट्टू तोते की तरह रटते हैं ☑
(iii) अधिकतर छात्र ☐ (iv) तोते की तरह ☐

ङ. **निधि नाच रही है।**

(i) निधि ☐ (ii) रही है ☐
(iii) नाच रही है ☑ (iv) नाच ☐

Scanned with OKEN Scanner

TA-01

5 संज्ञा

Noun

तेरा नाम, मेरा नाम, इसका नाम, उसका नाम; हर प्राणी का होता नाम।
वस्तु, स्थान, भावों का भी नाम; नाम ही होती पहचान; नाम ही हैं संज्ञा यह जान।

आज राहुल का जन्मदिन है। उसके मित्र उसके घर आए हैं। अक्षय ने उसे एक खिलौना उपहार में दिया। चैताली एक छोटा-सा पपी लाई है। दादा जी ने टैडी बियर दिया है। पापा ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के मैच का टिकट दिया तो राहुल की खुशी का ठिकाना न रहा। मम्मी ने पिज़्ज़ा मँगवाया। केक की सुंदरता तो देखते ही बनती थी। सबने केक और पिज़्ज़ा खाया।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द किसी-न-किसी के नाम हैं; जैसे—

- राहुल, मित्र, अक्षय, चैताली, पपी , दादा जी, पापा और मम्मी व्यक्तियों/प्राणियों के नाम हैं।
- जन्मदिन उत्सव का नाम है।

4. निर्देशानुसार उत्तर छाँटकर ✓ निशान लगाओ— *(Decision Making)* (MCQs)

क. संज्ञा का सही विकल्प है—

(i) हम ☐ (ii) दिल्ली

(iii) बहुत-सा ☐ (iv) अरे

ख. संज्ञा का सही विकल्प चुनो—

(i) मैं ☐ (ii) घोड़ा

(iii) सुंदर ☐ (iv) बहुत

ग. जातिवाचक संज्ञा बताओ—

(i) बचपन ☐ (ii) मिठास

(iii) बच्चा ☐ (iv) वीरता

घ. 'चढ़ाई' शब्द में संज्ञा का भेद बताओ—

(i) जातिवाचक संज्ञा ☐ (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(iii) भाववाचक संज्ञा ☐ (iv) समुदायवाचक संज्ञा

ङ: भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प है—

(i) सुंदरता ☐ (ii) ऊँचा

(iii) गोमती ☐ (iv) गायत्री

च. निम्न शब्दों में संज्ञा का सही विकल्प है—

(i) बदसूरत ☐ (ii) अंदर

(iii) बाहर ☐ (iv) गीता

छ. व्यक्तिवाचक संज्ञा का सही विकल्प है—

(i) इमारत ☐ (ii) स्कूल ☐ (iii) कुतुबमीनार ☐ (iv) पुस्तक

ज. 'देवताओं की <u>गाय</u> का नाम <u>कामधेनु</u> था।' वाक्य में रेखांकित शब्द हैं—

(i) व्यक्तिवाचक-जातिवाचक ☐ (ii) जातिवाचक-व्यक्तिवाचक

(iii) भाववाचक-व्यक्तिवाचक ☐ (iv) व्यक्तिवाचक-भाववाचक

झ. '<u>गंगा</u> <u>हिमालय</u> से निकलती है।' वाक्य में रेखांकित शब्द हैं—

(i) जातिवाचक-जातिवाचक ☐ (ii) व्यक्तिवचाक-जातिवाचक

(iii) व्यक्तिवाचक-व्यक्तिवाचक ☐ (iv) जातिवाचक-व्यक्तिवाचक

Scanned with OKEN Scanner